अब तक विराट द्वारा हर साल बनाए गए रनों का आंकड़ा

विराट कोहली ने साल 2008 के बाद भारत के लिए अपना इंटरनेशनल क्रिकेट डेब्यू किया था और उसके बाद से लेकर अब तक उन्होंने वर्ल्ड लेवल पर हर फार्मेट को मिलाकर सबसे ज्यादा रन (23,159 रन) बनाने में सफलता हासिल की है। अपने करियर के शुरुआत साल में तो वो अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए थे, लेकिन उसके बाद जब उन्होंने लय पकड़ी तो उसके बाद वो अब तक नहीं रुके हैं और उनके रन का आंकड़ा दिन–ब–दिन बढ़ता ही जा रहा है।

विराट कोहली ऐसे ही नहीं हैं मार्डन क्रिकेट के रन मशीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विराट कोहली टीम इंडिया के ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने भारत की गौरवशाली बल्लेबाजी परंपरा को अपने खेल के माध्यम से और आगे बढ़ाया है। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर जैसे बल्लेबाजों के बाद हम गर्व से कह सकते हैं कि अब हमारे पास विराट कोहली हैं। कोहली सिर्फ नाम से ही नहीं बल्कि अपने काम से विराट हैं और उनकी उपलब्धि पर हर भारतवासी गर्व कर सकता है। अब जिस भारतीय बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद अब तक वर्ल्ड लेवल पर सबसे ज्यादा रन (23, 159 रन), सबसे ज्यादा शतक (70), सबसे ज्यादा दोहरा शतक (7), सबसे ज्यादा अर्धशतक (117), सबसे ज्यादा मैन आफ द मैच (57), सबसे ज्यादा प्लेयर आफ द सीरीज (19) के खिताब जीते हैं उनकी ऐसी उपलब्धि देश के क्रिकेट को और गौरवशाली बना देती है। 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में जन्मे विराट कोहली 32 साल के हो गए और वो साल 2008 से भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व लगातार कर रहे हैं।

अगर आप ट्रॉफी नहीं जीतते तो आपके रन और सेंचुरी कुछ भी नहीं

क्रिकेट

भारत को बड़े अंतर से जीत की है दरकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम का सेमीफाइनल का रास्ता बहुत मुश्किल भरा है। आज भारत का मुकाबला स्कॉटलैंड के साथ हैं जहां टीम इंडिया को फिर एक बड़ी जीत की दरकार है। मैच से पहले भारतीय टी–20 टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा का एक वीडियो प्ब ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट किया। इस वीडियो में रोहित कई पहलुओं पर खुलकर अपनी राय रखी। हिटमैन नाम से मशहूर रोहित ने कहा कि जब तक आप ट्रॉफी नहीं जीतते तो चाहे जितनी सेंचुरी और रन बना लें मगर वो सब कुछ नहीं है।

उपकप्तान ने कही दिल की बात

स्कॉटलैंड के खिलाफ बेहद अहम मुकाबले से पहले सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने बताया कि क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा की तुलना में टीम का काम अधिक महत्वपूर्ण है। रोहित

शर्मा ने कहा कि उनकी टीम एक ट्रॉफी नहीं जीतती है, तो उन सभी रन जो आप बनाते हैं वो सभी शतक जो आपने बनाए हैं, ईमानदारी से कुछ भी नहीं है। ICC के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से बात करते हुए, भारत के उप–कप्तान ने इस बारे में बात की कि टीम को खुद से आगे रखने के कारण उनके खेल करियर में उनका काम हमेशा एक जैसा रहा है।

रोहित शर्मा ने इस दौरान कई बातें रखीं। उन्होंने कहा कि 2016 से अब तक मैं केवल इतना देख सकता हूं कि मैंने बहुत अनुभव प्राप्त किया है। मैं एक बल्लेबाज के रूप में 2016 की तुलना में बहुत अधिक परिपक्व हुआ हूं। खेल की समझ, टीम को क्या चाहिए। टीम को खुद से आगे रखने के लिए और देखें कि उस समय टीम को क्या चाहिए। कोशिश करें और एक या दो पल लें और सोचें कि क्या मैं एक शॉट खेलने जा रहा हूं, क्या इस समय टीम को इसकी जरूरत है।

मेरी जिम्मेदारी टीम के लिए अहम सलामी बल्लेबाजी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब आप अपनी टीम के लिए पारी की शुरुआत करते हैं, तो आपके पास अधिकतम गेंदों का सामना करने का सबसे अच्छा मौका होता है। आपको अधिक से अधिक रन मिलते हैं, यही कारण है कि आप देखते हैं कि टी 20 में दुनिया भर में जितने शतक बनाए गए हैं वो ऊपर के तीन बल्लेबाजों ने ही बनाएं हैं तो हां, मेरा काम वही रहता है।

विराट बीते 50 साल के सबसे अनलकी कप्तान, सिर्फ 40 फीसदी टॉस जीत पाए हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कॉमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा ने विराट कोहली की किस्मत की बात की है। उन्होंने बताया है कि टॉस के मामले में भारतीय कप्तान का रेकॉर्ड बहुत खराब है। अपने यूट्यूब चैनल पर शुक्रवार को चोपड़ा ने कहा कि कोहली का टॉस जीतने का प्रतिशत 40 के करीब है। जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बीते पांच दशक में सबसे खराब है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने वाले राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड इस मामले में सबसे अच्छा है और कैसे महेंद्र सिंह धोनी इन दोनों के बीच में आते हैं।

आकाश चोपड़ा ने कहा, श्कोहली और टॉस की क्या बात करें?

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बीते पांच दशक में सबसे खराब

अगर आप देखें तो उन्होंने इस साल 8 टी20 इंटरनैशनल मैचों में भारत की कप्तानी की है। वह सिर्फ एक बार टॉस जीते हैं। अगर आप उनके करियर को देखें और फिर टॉस हार–जीत का प्रतिशत देखें तो ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने सभी प्रारूपों में 100 से ज्यादा मैचों में कप्तानी की है, कोहली का रिकॉर्ड सबसे खराब है। बीते 50 साल में इतना खराब रिकॉर्ड किसी का नहीं रहा। उन्होंने करीब 40 प्रतिशत टॉस जीते हैं। और सबसे अच्छा राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड है। उनका टॉस जीतने का प्रतिशत करीब 58–60 है। वहीं धोनी का करीब 47–48 प्रतिशत है। और कोहली सबसे नीचे आते हैं। इसका अर्थ है कि किस्मत उनके साथ नहीं है।

आज भारतीय कप्तान का 33वां जन्मदिन है। बीते 14 मैचों में उन्होंने सिर्फ एक बार टॉस जीता है। टी20 वर्ल्ड कप में भी भारतीय टीम तीनों बार टॉस हारी है। और टॉस हारने का खमियाजा भारतीय टीम को भुगतना पड़ा है।

दुबई की पिचें जहां बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा होता है भारत को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड, दोनों के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी। अफगानिस्तान के खिलाफ भी भारतीय टीम ने टॉस हारा लेकिन मोहम्मद नबी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। और इस मैच में भारत ने 66 रन से जीत हासिल की।

भारत के खिलाफ स्पिन हथियार लेकर उतरेगा न्यूजीलैंड, ट्रेंट बोल्ट दौरे से हटे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) की थकान को देखते हुए भारत के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड ने 25 नवंबर से कानपुर में शुरू होने वाले इस दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में पांच स्पिनर शामिल किए हैं। बोल्ट और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर कोलिन डि ग्रैंडहोम ने दौरे से हटने का फैसला किया क्योंकि वे लंबे समय से बायो बबल में रह रहे हैं। न्यूजीलैंड ने दौरे के लिए पांच स्पिनर टीम में रखे हैं जिनमें अयाज पटेल, विल सोमरविले और मिशेल सैंटनर की अनुभवी तिकड़ी के अलावा युवा रचिन रवींद्र और ग्लेन फिलिप्स भी शामिल हैं। सीरीज के पहले टेस्ट (कानपुर, 25–29 नवंबर) और दूसरे टेस्ट (मुंबई, 3–7 दिसंबर) में स्थितियां स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल होने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड की टीम इस प्रकार हैः केन विलियमसन (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, हेनरी निकोल्स, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, विल सोमरविले, टिम साउदी, रॉस टेलर, विल यंग, नील वैगनर।

न्यूज डायरी :

वर्ल्डकप टी–20 के बाद क्रिकेट को अलविदा कहेगा कैरेबियाई दिग्गज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबुधाबी। वेस्टइंडीज के दिग्गज हरफनमौला ड्वेन ब्रावो अपने क्रिकेट करियर को गौरवान्वित करने वाला बताते हुए यूएई में खेली जा रही आईसीसी टी–20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इस 38 साल के खिलाड़ी ने पहले भी संन्यास लिया था, लेकिन 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से वापसी की थी। वह मौजूदा टी–20 विश्व कप में टीम के अहम सदस्य हैं। हालांकि गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ हार के साथ टीम सेमीफाइनल दौड़ से बाहर हो गई। श्रीलंका ने सुपर 12 चरण के इस मैच को 20 रन से अपने नाम किया। वेस्टइंडीज के लिए चार मैचों में यह तीसरी हार थी और टीम को अब शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है जो ब्रावो का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। लगभग 17 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले ब्रावो ने कहा, 'मुझे लगता है कि समय आ गया है। मेरा करियर बहुत अच्छा रहा है।

मैं अनिल कुंबले का अहसान कभी नहीं भूल सकता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने हाल ही में बताया कि कैसे पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी के लिए मदद की थी। हालांकि सहवाग उस समय बुरे फॉर्म से गुजर रहे थे। अपने फेसबुक पेज पर जारी किए गए एक वीडियो में सहवाग ने जिक्र किया कि कैसे उन्हें 2007–08 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में चुना गया। घरेलू क्रिकेट में सहवाग का फॉर्म अच्छा नहीं था। उन्होंने बताया कि कैसे इस अहम सीरीज में अनिल कुंबले ने उनका नाम आगे बढ़ाया। सहवाग ने कहा कि उनके स्थान पर आकाश चोपड़ा या गौतम गंभीर को जाना चाहिए। ऐसा इन खिलाड़ियों की घरेलू क्रिकेट में फॉर्म की वजह से होना चाहिए था। हालांकि कुंबले की योजनाएं अलग थीं। उनका मानना था कि टॉप ऑर्डर में एक ऐसा खिलाड़ी होना चाहिए जो ऑस्ट्रेलिया के सामने, उसके घरेलू मैदानों पर आक्रामक क्रिकेट खेल सके।

टीम इंडिया स्काटलैंड को आसानी से हराएगी लेकिन अब जीत काम नहीं करेगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम आइसीसी टी20 विश्व कप में बने रहने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। लगातार टूर्नामेंट के शुरुआती दो मुकाबले हारने के बाद टीम इंडिया के सेमीफाइनल की उम्मीद लगभग खत्म हो गई है। वैसे भारतीय टीम अगर सभी मैच जीत फिर भी दूसरी टीमों के नतीजे पर निर्भर रहना होगा। शुक्रवार 5 नवंबर को भारत का मुकाबला स्काटलैंड के साथ होना है। इस मैच से टीम के बड़ी जीत चाहिए। भारत अब बाकी बचे मुकाबलों में सिर्फ जीत नहीं बल्कि बड़ी जीत चाहिए यह सब जानते हैं। इसी बात को भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रोबिन उथप्पा ने भी बताया है। सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने इस बात को जताया कि कैसे अब भारत के लिए सिर्फ जीत काफी नहीं है। कू पर उथप्पा ने लिखा, भारतीय टीम आज के मैच में स्काटलैंड को खिलाफ आसानी से जीत हासिल कर लेगी।

सेमीफाइनल में ऐसे पहुंचेगी भारतीय टीम, जानिए ग्रुप 2 का अंक गणित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। सेमीफाइनल की रेस अभी भी दिलचस्प बनी हुई है। ग्रुप 1 से तीन टीमें दो पायदानों के लिए लड़ाई लड़ रही हैं, जबकि ग्रुप 2 से पांच टीमों के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका है। हालांकि, ग्रुप 2 से पाकिस्तान की टीम ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन दूसरी टीम ग्रुप 2 से कौन सी होगी, इसके लिए चार टीमों के बीच लड़ाई जारी है। वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ भारत को मिली बड़ी जीत ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जगाई है, लेकिन भारतीय टीम को खुद के प्रदर्शन से ज्यादा भाग्य के भरोसे रहना होगा।